Prof. (Dr.) Sohan Raj Tater

B.E.(Mech.), M.E. (P.H.), M.A. (Philo), M.Ed., M.Sc. (Yoga),
Ph.D., D.Litt. (Edu.), D.Sc. (Yoga), D.Litt. (Philo.)

Former Vice Chancellor, Singhania University, Rajasthan.
Advisor, OIUCM, Srilanka, JNU Bangladesh.
Vice President, Akhil Bhatiya Darshan Parishad Jabalpur (M.P.).
Emeritus Professor - NAIU (U.S.A.), TWU (U.K.), OIUCM (Srilanka),
JNU (Bangladesh), Jodhpur National and Singhania University.
Ph.D. Research Supervisor in India & Abroad Universities.
Former Member, B.O.M., J.V.B.U., Ladnun (Raj.).
Former Director, Brahmi Vidhyapith College, Ladnun (Raj.).
Former Editor, Preksha Dhyan Magazine, Ladnun (Raj.).
Retired Superintending Engineer, P.H.E.D., Raj. Govt.
Former Convener, Parmarthik Shikshan Santha, Ladnun (Raj.).
Former Adviser, J.V.B.U., Ladnun (Raj.).

Associate Member :
Council for Research in Values and Philosophy Washington D.C. 20064 (U.S.A.).
Peace Next, World Religion Parliment, Melborne (Austrelia).

Patron & Life Member :
Akhil Bhartiya Darshan Parishad, Jabalpur (M.P.).
Gyansagar Science Foundation, New Delhi.
Siwanchi Malanl Regional Terapanth Sansthan, Balotra (Raj.).
Dharma Darshan Seva Sansthan, Udaipur (Raj.).

Chief Patron & Life Member :
U.P. Naturopathy & Yoga Teachers & Physicians Association, Lucknow (U.P.).

Life Member :
The International Congress of Social Philosophy, Dharwad (Kr.).
Indian Philosophical Congress New Delhi.
NIAMS, Bangalore (Kr.).
Indian Society of Yoga Varanasi (U.P.).
The International Congress of Yoga & Spiritual Science, Dharwad (Kr.).
All India Oriental Conference, Pune (Maharastra).
Indian Society of Gandhian Studies, Chandigarh (Punjab).
Jain Vishva Bharati Ladnun (Raj.).
Indian Holistic Medical Academy, Salem (T.N.).
Anuvrat Vishva Bharati Rajsamand (Raj.).
Terapanth Professionals Form Mumbai (Maharastra).
Acharya Tulsi Shanti Pratisthan Gangashar (Raj.).
Jain Swetamber Terapanthi Mahasabha, Kolkata (W.B.).
Indian Society U3A (Advisor).
Rajasthan Pensioners Association.
International Association of Lions Club.
M.B.M. Engg. College Alumini Association.
Upasak, Jain Swetamber Terapanthi Mahasabha, Kolkata (W.B.).
Arbitrator A.B.T.Y.P.
Observer, Diagamber Jain Trilok Sansthan, Hastinapur (U.P.).

Awards :
Indo-Nepal Harmony.
Rajiv Gandhi.
Indira Gandhi Rastriya Akta Award.
Samaj Bhushan.
Jain Gyan Vigyan Manishi.
Bharat Excellence.
Bharat-Bhutan Friendship.
Gem of Yoga, Gem of Naturopathy.
Yuvak Ratan, A.B.T.Y.P.
Samaj Seva Puraskar, 2008.
Meharshi Patanjali International.
Four Awards in P.H.E.D. by Rajasthan Govt.

समरसता सन्देश

भारत ऋषि–मुनियों की पवित्र धरा है। भारतीय संस्कृति के केन्द्र में हमेशा अध्यात्म रहा है। भारतीय संस्कृति करुणा, अहिंसा, सद्भावना, प्रेम, सौहार्द भाईचारा आदि मानवीय मूल्यों से हमेशा से सुमृद्ध रही है। विश्व में प्राच्य एवं पाश्चात्य दो संस्कृतियां प्रमुख हैं। भारतीय संस्कृति प्राच्य संस्कृति कहलीत है। अन्य देशों की संस्कृति पाश्चात्य संस्कृति कहलाती है। भारत भूमि आर्य भूमि कहलाती है। विश्व के अन्य देश अनार्य भूमि कहलाते हैं। भारत विविधताओं में एकता का प्रतीक है। यहाँ अनेक धर्म, दर्शन, जातियाँ एवं परम्पराएँ विद्यमान होते हुए भी राष्ट्र भक्ति की भावना में एकता है। भारत में यवन, शक, हूण, तुर्क, मुगल, फ्रैंच और इंगलिश जातियों का आगमन हुआ तथा उनका शासन भी रहा। इन सभी जातियों की परम्पराओं को भारतीय संस्कृति ने अपने आंचल में समाहित कर दिया। इसलिए भारत को "Diversities among unity" वाला देश कहा जाता है।

1000 वर्ष के भारतीय इतिहास का अवलोकन करने पर हमें जानकारी मिलती है कि भारत ने अपनी तरफ से दूसरे राष्ट्र को हड़पने के लिए कभी हमला नहीं किया, बल्कि अपनी सुरक्षा के लिए मुंह तोड़ जवाब भी दिया है। भारतीय संस्कृति समृद्ध संस्कृति है। एक धर्म प्रधान देश होने के कारण अहिंसा भारतीय संस्कृति के केन्द्र में रही है। हमारी संस्कृति ने वसुधैव कुटुम्बकम्, सर्वे भवन्तु सुखिनः, जीयो और जीने दो एवं सर्वोदय मूल्यों को सीखा है तथा औरों को इन मूल्यों को प्रतिष्ठित करने का प्रशिक्षण भी दिया है। इसी कारण भारत प्रारम्भ से ही विश्व का धर्मगुरु देश रहा है। भारतीय संस्कृति पुरुषार्थ चतुष्टय– काम, अर्थ, धर्म एवं मोक्ष के अर्न्तगत मोक्ष का जीवन का चरम लक्ष्य मानती है।

भारतीय संस्कृति का प्रतिनिधित्व करने वाला अगर एक मूल्यपरक शब्द का चयन करना हो तो वहै है– **"समरसता"**। समरसता में लोक कल्याण की भावना है, परार्थ, परमार्थ की भावना है। समरसता इंसान को इंसान से जोड़ती है। मानव में मानवता यानि इंसान में इंसानियत उत्पन्न करने का पाठ पढ़ाती है। इसी भावना से ओतःप्रोत होकर **"राष्ट्रीय समरसता स्वतंत्र मंच"** के संस्थापक श्रीमान् महावीर प्रसाद टोरड़ी (टोंक–राजस्थान निवासी) ने 17 वर्ष पूर्व राजस्थान उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश श्री भगवतीप्रसाद बेरी साहब से प्रेरणा एवं आर्शीवाद प्राप्त कर इस संस्था की मानव परोपकार के लिए स्थापना की। 17 वर्षों तक अपने अच्छे कार्यों द्वारा संस्था ने करोड़ों भारतीय नागरिकों का विश्वास हासिल किया एवं उन्हें इस संस्था का सदस्य बनाया। यह संस्था शिक्षा, मानवाधिकार,

Postal Address : "G-8" Multan Kunj, Bhagat Ki Kothi Extension, Jodhpur - 342003 (Raj.)
Contact No. : 09829650702 (M), E-mail : sohan.tater@gmail.com

Prof. (Dr.) Sohan Raj Tater

B.E.(Mech.), M.E. (P.H.), M.A. (Philo), M.Ed., M.Sc. (Yoga),
Ph.D., D.Litt. (Edu.), D.Sc. (Yoga), D.Litt. (Philo.)

Former Vice Chancellor, Singhania University, Rajasthan.
Advisor, OIUCM, Srilanka, JNU Bangladesh.
Vice President, Akhil Bhatiya Darshan Parishad Jabalpur (M.P.).
Emeritus Professor - NAIU (U.S.A.), TWU (U.K.), OIUCM (Srilanka),
JNU (Bangladesh), Jodhpur National and Singhania University.
Ph.D. Research Supervisor in India & Abroad Universities.
Former Member, B.O.M., J.V.B.U., Ladnun (Raj.).
Former Director, Brahmi Vidhyapith College, Ladnun (Raj.).
Former Editor, Preksha Dhyan Magazine, Ladnun (Raj.).
Retired Superintending Engineer, P.H.E.D., Raj. Govt.
Former Convener, Parmarthik Shikshan Santha, Ladnun (Raj.).
Former Adviser, J.V.B.U., Ladnun (Raj.).

Associate Member :
Council for Research in Values and Philosophy Washington D.C. 20064 (U.S.A.).
Peace Next, World Religion Parliment, Melborne (Austrelia).

Patron & Life Member :
Akhil Bhartiya Darshan Parishad, Jabalpur (M.P.).
Gyansagar Science Foundation, New Delhi.
Siwanchi Malanl Regional Terapanth Sansthan, Balotra (Raj.).
Dharma Darshan Seva Sansthan, Udaipur (Raj.).

Chief Patron & Life Member :
U.P. Naturopathy & Yoga Teachers & Physicians Association, Lucknow (U.P.).

Life Member :
The International Congress of Social Philosophy, Dharwad (Kr.).
Indian Philosophical Congress New Delhi.
NIAMS, Bangalore (Kr.).
Indian Society of Yoga Varanasi (U.P.).
The International Congress of Yoga & Spiritual Science, Dharwad (Kr.).
All India Oriental Conference, Pune (Maharastra).
Indian Society of Gandhian Studies, Chandigarh (Punjab).
Jain Vishva Bharati Ladnun (Raj.).
Indian Holistic Medical Academy, Salem (T.N.).
Anuvrat Vishva Bharati Rajsamand (Raj.).
Terapanth Professionals Form Mumbai (Maharastra).
Acharya Tulsi Shanti Pratisthan Gangashar (Raj.).
Jain Swetamber Terapanthi Mahasabha, Kolkata (W.B.).
Indian Society U3A (Advisor).
Rajasthan Pensioners Association.
International Association of Lions Club.
M.B.M. Engg. College Alumini Association.
Upasak, Jain Swetamber Terapanthi Mahasabha, Kolkata (W.B.).
Arbitrator A.B.T.Y.P.
Observer, Diagamber Jain Trilok Sansthan, Hastinapur (U.P.).

Awards :
Indo-Nepal Harmony.
Rajiv Gandhi.
Indira Gandhi Rastriya Akta Award.
Samaj Bhushan.
Jain Gyan Vigyan Manishi.
Bharat Excellence.
Bharat-Bhutan Friendship.
Gem of Yoga, Gem of Naturopathy.
Yuvak Ratan, A.B.T.Y.P.
Samaj Seva Puraskar, 2008.
Meharshi Patanjali International.
Four Awards in P.H.E.D. by Rajasthan Govt.

सामूहिक विवाह, चिकित्सा, पर्यावरण संरक्षणएवं समाज सेवा को समर्पित प्रतिभाओं के चयन एवं उनको प्रोत्साहित करने का कार्य करती है।

पिछले 5 वर्ष पूर्व राष्ट्रीय समरसता स्वतंत्र मंच के संयोजक श्रीमान् महावीर प्रसाद टोरड़ी ने राष्ट्रीय स्तर पर मानव सेवा में अपनी परिपक्व स्थिति को मध्य नजर रखकर **"अंतर्राष्ट्रीय समरसता मंच"** की स्थापना की। इस संस्था ने सार्क (दक्षेस) देशों में सांस्कृतिक एवं सामाजिक समन्वय की दृष्टि से भारत सहित अन्य 7 राष्ट्रों–पाकिस्तान, नेपाल, भूटान, बंगलादेश, अफगानिस्तान, श्रीलंका एवं मालद्वीप से सम्पर्क साधना प्रारम्भ किया। अभी तक नेपाल एवं भूटान में संस्था के डेलीगेशन संस्था के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु यात्रा कर चुके हैं। संस्था ने काठमाँडू (नेपाल) में अंतर्राष्ट्रीय कार्यालय भी स्थापित कर लिया है। इस संस्था का संरक्षक होने के नाते संस्था के उद्देश्यों– सार्क देशों की सांस्कृति एवं सामाजिक समरसता एवं समन्वय हेतु मैं प्रायः सभी सार्क देशों की यात्रा कर चुका हूँ। सार्क देशों को भारत **"सहोदर"** कहता है। सहोदर का अर्थ साथ में जन्मने वाला। सभी सार्क देश पहले भारत माँ की संतान रह चुके हैं तथा धीरे–धीरे विभाजित हुए। अतः भारत के सहोदर होने के नाते इनके प्रति भारत का रवैया हमेशा सम्मानजनक एवं प्रगतिशील रहा है।

अंतराष्ट्रीय स्तर पर इस संस्था को 18 देशों– अफगानिस्तान, अंगोला, आस्ट्रिया, इराक, अल्जेरिया, नाईजेरिया, जर्मनी, डेनमार्क, चेकोस्लाविया, फिनलैंड़, इजराइल, मेसेडानिया, नार्वे, नेपाल, मोरक्को, नीदरलैंड, तुनेसिया एवं सीरिया ने समानपूर्वक अपने ध्वज प्रदान कर संख्या के उद्देश्यों में आस्था जताते हुए समर्थन प्रदान किया है। संस्था समस्त सार्क देशों एवं इन 18 देशों के प्रति उनके द्वारा प्रकट किए गये विश्वास एवं सम्मान के लिए उनके शासनाध्यक्षों के प्रति अपनी कृतज्ञता ज्ञापित करती है।

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद (1945 में) विश्व में लोकतंत्र पद्धति को सबसे अधिक पंसद किया गया। इसकी निष्पति के रूप में 70 वर्ष पूर्व संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना हुई। आज संयुक्त राष्ट्र संघ के कार्यालय पर 193 सदस्य देशों के ध्वज लहरा रहे हैं, जो लोकतंत्र के प्रतीक हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ में अभी पाँच स्थायी सदस्य राष्ट्र–अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, चीन और फ्रांस हैं जिनको संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद् के फैसलों पर वीटो करने का अधिकार है। दस अस्थायी सदस्य दो वर्ष के लिए चुने जाते हैं, जिनको संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्तावों को रोकने का अधिकार प्राप्त नहीं है। **"अंतराष्ट्रीय समरसता मंच"** ने अनेक देशों को पत्र भेजकर एवं भारत सरकार को बार–बार पत्र लिखकर पुरुषार्थ किया है कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश होने के नाते एवं पंचशील, अहिंसा एवं सर्वोदय के सिद्धांतों में विश्वास

Postal Address : "G-8" Multan Kunj, Bhagat Ki Kothi Extension, Jodhpur - 342003 (Raj.)
Contact No. : 09829650702 (M), E-mail : sohan.tater@gmail.com

Prof. (Dr.) Sohan Raj Tater

B.E.(Mech.), M.E. (P.H.), M.A. (Philo), M.Ed., M.Sc. (Yoga),
Ph.D., D.Litt. (Edu.), D.Sc. (Yoga), D.Litt. (Philo.)

Former Vice Chancellor, Singhania University, Rajasthan.
Advisor, OIUCM, Srilanka, JNU Bangladesh.
Vice President, Akhil Bhatiya Darshan Parishad Jabalpur (M.P.).
Emeritus Professor - NAIU (U.S.A.), TWU (U.K.), OIUCM (Srilanka),
JNU (Bangladesh), Jodhpur National and Singhania University.
Ph.D. Research Supervisor in India & Abroad Universities.
Former Member, B.O.M., J.V.B.U., Ladnun (Raj.).
Former Director, Brahmi Vidhyapith College, Ladnun (Raj.).
Former Editor, Preksha Dhyan Magazine, Ladnun (Raj.).
Retired Superintending Engineer, P.H.E.D., Raj. Govt.
Former Convener, Parmarthik Shikshan Santha, Ladnun (Raj.).
Former Adviser, J.V.B.U., Ladnun (Raj.).

Associate Member :
Council for Research in Values and Philosophy Washington D.C. 20064 (U.S.A.).
Peace Next, World Religion Parliment, Melborne (Austrelia).

Patron & Life Member :
Akhil Bhartiya Darshan Parishad, Jabalpur (M.P.).
Gyansagar Science Foundation, New Delhi.
Siwanchi Malanl Regional Terapanth Sansthan, Balotra (Raj.).
Dharma Darshan Seva Sansthan, Udaipur (Raj.).

Chief Patron & Life Member :
U.P. Naturopathy & Yoga Teachers & Physicians Association, Lucknow (U.P.).

Life Member :
The International Congress of Social Philosophy, Dharwad (Kr.).
Indian Philosophical Congress New Delhi.
NIAMS, Bangalore (Kr.).
Indian Society of Yoga Varanasi (U.P.).
The International Congress of Yoga & Spiritual Science, Dharwad (Kr.).
All India Oriental Conference, Pune (Maharastra).
Indian Society of Gandhian Studies, Chandigarh (Punjab).
Jain Vishva Bharati Ladnun (Raj.).
Indian Holistic Medical Academy, Salem (T.N.).
Anuvrat Vishva Bharati Rajsamand (Raj.).
Terapanth Professionals Form Mumbai (Maharastra).
Acharya Tulsi Shanti Pratisthan Gangashar (Raj.).
Jain Swetamber Terapanthi Mahasabha, Kolkata (W.B.).
Indian Society U3A (Advisor).
Rajasthan Pensioners Association.
International Association of Lions Club.
M.B.M. Engg. College Alumini Association.
Upasak, Jain Swetamber Terapanthi Mahasabha, Kolkata (W.B.).
Arbitrator A.B.T.Y.P.
Observer, Diagamber Jain Trilok Sansthan, Hastinapur (U.P.).

Awards :
Indo-Nepal Harmony.
Rajiv Gandhi.
Indira Gandhi Rastriya Akta Award.
Samaj Bhushan.
Jain Gyan Vigyan Manishi.
Bharat Excellence.
Bharat-Bhutan Friendship.
Gem of Yoga, Gem of Naturopathy.
Yuvak Ratan, A.B.T.Y.P.
Samaj Seva Puraskar, 2008.
Meharshi Patanjali International.
Four Awards in P.H.E.D. by Rajasthan Govt.

रखने के कारण भारत को संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद् में स्थायी सदस्यता मिलनी चाहिए, ताकि विश्व में लोकतंत्र की जड़ें मजबूत हों।

"राष्ट्रीय समरसता स्वतंत्र मंच" ने विभिन्न क्षेत्रों में समाज सेवा करने वाली अनेक प्रतिभाओं का चयन कर उन्हें सम्मानित किया है। मंच ने इसके प्रेरक न्यायाधिपति स्व. बेरी साहब के सपनों को साकार करते हुए समरसता विद्यालय की स्थापना में सहयोग किया, जिसमें गरीब बालक–बालिकाऐं निःशुल्क शिक्षा अर्जित करते हैं। आइये हम सभी सदस्यगण इस मंच की विभिन्न परोपकारी गतिविधियों में अपना तन–मन–धन लगाकर इसको सुदृढ बनावें। मंच के समस्त कार्यकत्ताओं के प्रति मंच का संरक्षक होने के नाते शुभ कामना करता हूँ कि आपकी समाज सेवा वृद्धिंगत होती रहे तथा मंच आपके सहयोग से राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सांस्कृति एवं सामाजिक समरसता एवं समन्वय स्थापित करने में सफलता हासिल करे।

आप सभी के प्रति मंगल भावना सहित,

शुभाकांक्षी,

(प्रो.(डॉ.) सोहन राज तातेड़)

संरक्षक राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय समरसता मंच,

पूर्व कुलपति, सिंघानिया विश्वविद्यालय, राजस्थान

Postal Address : "G-8" Multan Kunj, Bhagat Ki Kothi Extension, Jodhpur - 342003 (Raj.)
Contact No. : 09829650702 (M), E-mail : sohan.tater@gmail.com